Roll No. ……..

PJ–101

खगोलीय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरंभिक गणित

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा / प्रमाणपत्र

(डी. पी. जे. / सी. पी. जे.—12 / 16 / 17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचांग का विस्तृत विवेचन कीजिए।
2. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा का साधन कीजिए।
3. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा सप्तमांश एवं नवमांश का विवेचन कीजिए।
4. द्रेष्काण एवं त्रिशांश का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उदाहरण सहित इष्टकाल का उल्लेख कीजिए।
2. नक्षत्रों का विस्तृत विवेचन कीजिए।
3. स्पष्ट चन्द्र साधन की प्रक्रिया को लिखिए।
4. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा विंशोत्तरी दशा में भुक्त एवं भोग्य वर्ष का आनयन कीजिए।
5. षोडश वर्ग का परिचय दीजिए।
6. चतुर्थांश एवं अक्षवेदांश का वर्णन कीजिए।
7. काल गणना पर एक लघु निबन्ध लिखिए।
8. खगोलशास्त्र एवं समय रूपान्तरण का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

1. इष्टकाल कहते हैं :
   (i) सूर्योदय से जन्मकाल तक को
   (ii) सूर्योदय से मध्याह्न तक को
   (iii) मध्याह्न से मध्यरात्रि तक को
   (iv) मध्यरात्रि से सूर्योदय तक को

2. एक अहोरात्र में होते हैं :
   (i) 45 घटी
   (ii) 55 घटी
   (iii) 60 घटी
   (iv) 30 घटी
3. चन्द्रमा के भ्रमण मार्ग को कहते हैं :
   (i) क्रान्ति वृत्त
   (ii) चन्द्र विमण्डल
   (iii) नाडीवृत्त
   (iv) अहोरात्र वृत्त
4. राशियों की संख्या होती है :
   (i) 12
   (ii) 14
   (iii) 27
   (iv) 28
5. एक नक्षत्र में पादों की संख्या होती है :
   (i) 4
   (ii) 9
   (iii) 10
   (iv) 108
6. प्रथम, चतुर्थ, सप्तम एवं दशम भाव को कहते हैं :
   (i) त्रिकोण
   (ii) त्रित्रिकोण
   (iii) केन्द्र
   (iv) छिद्र

7. विंशोत्तरी महादशा में वर्ष संख्या होती है :

(i) 10 वर्ष

(ii) 108 वर्ष

(iii) 16 वर्ष

(iv) 120 वर्ष

8. योगिनी दशा वर्ष संख्या है :

(i) 5 वर्ष

(ii) 10 वर्ष

(iii) 36 वर्ष

(iv) 108 वर्ष

9. स्थिर करणों की संख्या होती है :

(i) 7

(ii) 4

(iii) 11

(iv) 9

10. नवमांश की गणना वृष में प्रारम्भ होती है :

(i) मेष से

(ii) मकर से

(iii) कर्क से

(iv) तुला से